भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3358

दिनांक 12 मार्च, 2026 को उत्तरार्थ

.....

वैनगंगा-नलगंगा नदी जोड़ो परियोजना

3358. डॉ. बच्छाव शोभा दिनेशः

श्री संजय उत्तमराव देशमुखः

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना (एनआरएलपी) की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) क्या सरकार ने 463 किलोमीटर लंबी वैनगंगा-नलगंगा नदी को आपस में जोड़ने की परियोजना को मंजूरी दे दी है और यदि हां, तो उक्त परियोजना के अंतर्गत शामिल किए गए जिलों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि महाराष्ट्र का बड़ा भाग सिंचाई की कमी के कारण कुपोषण से ग्रस्त है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सिंचाई संबंधी गंभीर मुद्दों के बावजूद कई क्षेत्रों को एनआरएलपी से बाहर रखा गया है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) सरकार द्वारा वाशिम जिले सहित ऐसे जिलों को उक्त परियोजना के अंतर्गत शामिल करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री
(श्री राज भूषण चौधरी)

(क): भारत सरकार द्वारा नदियों को आपस में जोड़ने के लिए राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (एनपीपी) तैयार की गई है, जिसके अंतर्गत जल की कमी को दूर करने और देश भर में सिंचाई एवं अन्य जल संबंधी लाभों को बढ़ाने के लिए प्रायद्वीपीय क्षेत्र की 16 और हिमालयी क्षेत्र की 14 नदियों को जोड़ने वाली 30 परियोजनाओं को चिन्हित किया गया है। इस कार्यक्रम की नोडल एजेंसी राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण (एनडब्ल्यूडीए) द्वारा सभी 30 लिंकों के लिए पूर्व-व्यवहार्यता रिपोर्ट (पीएफआर), 26 लिंकों के लिए व्यवहार्यता रिपोर्ट (एफआर) और 11 लिंकों के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर ली गई हैं। एनपीपी के अंतर्गत इन 30 लिंक परियोजनाओं की स्थिति **अनुलग्नक** में दी गई है।

(ख): एनडब्ल्यूडीए द्वारा वैनगंगा-नलगंगा नदी को जोड़ने वाली परियोजना की पूर्व-व्यवहार्यता रिपोर्ट (पीएफआर) और बाद में विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर महाराष्ट्र सरकार को प्रस्तुत कर दी गई है। राज्य सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, परियोजना को सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इस परियोजना में वैनगंगा नदी पर स्थित गोसीखुर्द परियोजना से 1,804.78 एमसीएम पानी को 388.28 किलोमीटर लंबी लिंक नहर के माध्यम से नलगंगा बेसिन में डायवर्ट करने का प्रस्ताव है, जिससे आठ जिलों अर्थात् - नागपुर, वर्धा, अमरावती, यवतमाल, अकोला, बुलढाणा, वाशिम और भांद्रा - में 4,04,281 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई का लाभ मिलेगा।

(ग): कुपोषण से संबंधित मामले मुख्यतः स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण क्षेत्रों के अंतर्गत आते हैं। तथापि, सरकार ऐसा मानती है कि बेहतर सिंचाई कृषि स्थिरता में सहायक होती है और वैनगंगा-नलगंगा लिंक जैसी परियोजनाओं से महाराष्ट्र के सूखाग्रस्त क्षेत्रों में जल उपलब्धता बढ़ने की संभावना है।

(घ) और (ड़) राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना के अंतर्गत आईएलआर परियोजनाओं का चयन जलविज्ञान व्यवहार्यता, जल संतुलन अध्ययन, तकनीकी मापदंडों और अंतरराज्यीय समर्थन के आधार पर किया जाता है। राज्य सरकार द्वारा सूचित किया गया है कि एनपीपी से किसी भी क्षेत्र को बाहर नहीं रखा गया है। वैनगंगा-नलगंगा नदी लिंक परियोजना में वाशिम जिला पहले से ही लाभार्थी जिलों में शामिल है।

*****

अनुलग्नक

"वैनगंगा-नलगंगा नदी जोड़ो परियोजना" के संबंध में दिनांक 12.03.2026 को लोक सभा में उत्तर के लिए देय अतारांकित प्रश्न संख्या 3358 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

एनपीपी के अंतर्गत आईएलआर परियोजनाओं का विवरण और वर्तमान स्थिति

प्रायद्वीपीय घटक

क्रम संख्या	नाम	लाभान्वित राज्य	स्थिति
1	महानदी (मणिभद्र) - गोदावरी (दौलायस्वरम) लिंक	आंध्र प्रदेश और ओडिशा	एफआर पूर्ण
	अल्टरनेट महानदी (बरमुल) - रुशिकुल्या-गोदावरी दौलायस्वरम) लिंक	आंध्र प्रदेश और ओडिशा	एफआर पूर्ण
2	गोदावरी (पोलावरम) - कृष्णा (विजयवाड़ा) अल्टरनेट @	आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र और तेलंगाना	एफआर पूर्ण
3	क) गोदावरी (इंचमपल्ली) - कृष्णा (नागार्जुनसागर) लिंक	तेलंगाना	एफआर पूर्ण
	ख) अल्टरनेट गोदावरी (इंचमपल्ली) - कृष्णा (नागार्जुनसागर) लिंक *	तेलंगाना	डीपीआर पूर्ण
4	गोदावरी (इंचमपल्ली/एसएसएमपीपी) - कृष्णा (पुलिचिंतला) लिंक	तेलंगाना और आंध्र प्रदेश	डीपीआर पूर्ण
5	क) कृष्णा (नागार्जुनसागर) - पेन्नार (सोमासिला) लिंक	आंध्र प्रदेश	एफआर पूर्ण
	ख) अल्टरनेट कृष्णा (नागार्जुनसागर) - पेन्नार (सोमासिला) लिंक *	आंध्र प्रदेश	डीपीआर पूर्ण
6	कृष्णा (श्रीशैलम) - पेन्नार लिंक	आंध्र प्रदेश	डीपीआर पूर्ण
7	कृष्णा (अलमट्टी) - पेन्नार लिंक	कर्नाटक और आंध्र प्रदेश	डीपीआर पूर्ण
8	क) पेन्नार (सोमासिला) - कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक	आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और पुडुचेरी	एफआर पूर्ण
	ख) अल्टरनेट पेन्नार (सोमासिला) - कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक *	आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और पुडुचेरी	डीपीआर पूर्ण
9	कावेरी (कट्टलाई) - वैगई-गुंडर लिंक	तमिलनाडु	डीपीआर पूर्ण

10	पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक	मध्य प्रदेश और राजस्थान	एफआर पूर्ण
	ख) संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक	मध्य प्रदेश और राजस्थान	दोनों राज्यों द्वारा कार्यान्वयन के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं
11	दमनगंगा - पिंजाल लिंक	महाराष्ट्र (केवल मुंबई को पानी की आपूर्ति)	डीपीआर पूरी हो गई और "प्राथमिकता लिंक" की स्थिति से हटा दी गई
12	पार-तापी-नर्मदा लिंक	गुजरात और महाराष्ट्र	डीपीआर पूरी हो गई और "प्राथमिकता लिंक" की स्थिति से हटा दी गई
13	केन-बेतवा लिंक	उत्तर प्रदेश (यूपी) और मध्य प्रदेश	डीपीआर पूरी हो गई है और परियोजना कार्यान्वित की जा रही है
14	पम्बा - अचंकोविल - वैप्पर लिंक	तमिलनाडु और केरल	एफआर पूर्ण
15	बेट्टी-वरदा लिंक @@	कर्नाटक	डीपीआर पूर्ण
16	नेत्रावती - हेमवती लिंक***	कर्नाटक	पीएफआर पूर्ण

* मणिभद्रा और इंचमपल्ली बांधों पर सहमति लंबित होने के कारण, गोदावरी नदी के अप्रयुक्त जल को डायवर्ट करने की परियोजना के चरण-I का अध्ययन किया गया और गोदावरी (इंचमपल्ली) - कृष्णा (नागार्जुनसागर) - पेन्नार (सोमासिला) - कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक परियोजनाओं (संयुक्त) जिन्हें गोदावरी-कावेरी लिंक कहा जाता है, की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) पूरी हो गई। रिपोर्ट को आगे अपडेट किया गया है जिसमें लिंक नहर को वेल्लर नदी की सहायक नदी मणिमुख्ता नदी जो कावेरी बेसिन के निकट बहती है, पर समाप्त किया गया है।

@@ बेदती-वर्दा लिंक - इसको पीएफआर तैयार होने के तुरंत बाद ही डीपीआर तैयार कर ली गई थी, कोई एफआर तैयार नहीं की गई थी।

@ गोदावरी (पोलावरम)-कृष्णा (विजयवाड़ा) लिंक - यह परियोजना आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई है और पोलावरम परियोजना प्राधिकरण द्वारा कार्यान्वित की जा रही है।

*** नेत्रावती - हेमावती लिंक: पीएफआर तैयार होने के बाद आगे के अध्ययन नहीं किए गए हैं क्योंकि कर्नाटक सरकार द्वारा येत्तिनाहोल परियोजना के कार्यान्वयन के बाद, नेत्रावती बेसिन में इस लिंक के माध्यम से डायवर्ट करने के लिए अतिरिक्त पानी उपलब्ध नहीं है।

<u>हिमालयी घटक</u>

क्रम संख्या	नाम	लाभान्वित राज्य/देश	स्थिति
1.	कोसी-मेची लिंक**	बिहार और नेपाल	पीएफआर पूर्ण
2.	कोसी-घाघरा लिंक	बिहार, उत्तर प्रदेश (यूपी) और नेपाल	एफआर पूर्ण
3.	गंडक-गंगा लिंक	यूपी और नेपाल	एफआर पूर्ण
4.	घाघरा-यमुना लिंक	यूपी और नेपाल	एफआर पूर्ण
5.	सारदा-यमुना लिंक	यूपी और उत्तराखंड	एफआर पूर्ण
6.	यमुना-राजस्थान लिंक	हरियाणा और राजस्थान	एफआर पूर्ण
7.	राजस्थान-साबरमती लिंक	राजस्थान और गुजरात	एफआर पूर्ण
8.	चुनार - सोन बैराज लिंक	बिहार और यूपी	एफआर पूर्ण
9.	सोन बांध - गंगा लिंक की दक्षिणी सहायक नदियाँ	बिहार और झारखंड	ड्राफ्ट एफआर पूर्ण
10.	मानस-संकोश-तीस्ता-गंगा (एम-एस-टी-जी) लिंक	असम, पश्चिम बंगाल और बिहार	एफआर पूर्ण
11.	जोगीघोपा-तिस्ता-फरक्का लिंक (एम-एस-टी-जी का अल्टरनेट)	असम, पश्चिम बंगाल और बिहार	पीएफआर पूर्ण (प्रस्ताव छोड़ दिया गया है)
12.	फरक्का-सुंदरबन लिंक	डब्ल्यूबी	एफआर पूर्ण
13.	गंगा (फरक्का) - दामोदर-सुवर्णरेखा लिंक	पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड	एफआर पूर्ण
14.	सुवर्णरेखा-महानदी लिंक	पश्चिम बंगाल और ओडिशा	एफआर पूर्ण

** कोसी-मेची अंतरराज्यीय लिंक - पीएफआर तैयार किया गया था और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों के कारण प्रस्ताव को रद्द कर दिया गया था, बाद में, बिहार सरकार के अनुरोध पर, एनडब्ल्यूडीए ने कोसी-मेची अंतरराज्यीय लिंक परियोजना को शुरू किया है।

*****